IV. CORE COURSE [CCHIN204]: (क्रेडिट: सैद्धान्तिक -04, ट्यूटोरियल -01)

Marks: 30 (MSE: 20Th. 1Hr + 5Attd. + 5Assign.) + 70 (ESE: 3Hrs)=100 Pass Marks (MSE:17 + ESE:28)=45

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा :

*20 अंको की परीक्षा में प्रश्नों के दो समूह होंगे। **खण्ड 'A'** में पाँच **अत्यंत लघु उत्तरीय** 1 अंक के **अनिवार्य** प्रश्न होंगे। **खण्ड 'B'** में 5 अंको के पाँच **विषयनिष्ठ/ वर्णनात्मक प्रश्नों** में से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे।*

छमाही परीक्षा :

*70 अंको की परीक्षा में प्रश्नों के दो समूह होंगे। **खण्ड 'A' अनिवार्य है** जिसमें दो प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 1** में पाँच **अत्यंत लघु उत्तरीय** 1 अंक के प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 2 लघु उत्तरीय** 5 अंक का प्रश्न होगा। **खण्ड 'B'** में 15 अंको के छः **विषयनिष्ठ/ वर्णनात्मक प्रश्नों** में से किन्हीं चार के उत्तर देने होंगे।*

नोट : *परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप–विभाजन हो सकते हैं।*
20 अंकों की दो आंतरिक परीक्षाओं में प्राप्त अधिकतम अंक का चयन होगा।
05 अंक उपस्थिति एवं 05 अंक सेमिनार, एन. एस. एस. एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहभागिता पर।
(Attendance Upto75%, 1mark; 75<Attd.<80, 2 marks; 80<Attd.<85, 3 marks; 85<Attd.<90, 4 marks; 90<Attd, 5 marks).

भारतीय साहित्य एवं संस्कृत साहित्य

सैद्धान्तिक : 75 व्याख्यान, ट्यूटोरियल : 15 व्याख्यान

इकाई I - भारतीय साहित्य की अवधारणा, भारतीय साहित्य की प्रमुख विशेषताएँ, भारतीय साहित्य : राष्ट्रीय एकता का प्रतीक।

इकाई II - उर्दू साहित्यः आरंभ और विकास, बंगला साहित्य आरंभ और विकास ।

इकाई III - संस्कृत साहित्य का इतिहास – वैदिक और पौराणिक साहित्य,
उपजीव्य महाकाव्य – रामायण और महाभारत।

इकाई IV - संस्कृत नाटक उद्भव और विकास, गीतिकाव्य उद्भव और विकास, अलंकृत महाकाव्य उद्भव और विकास, गद्य साहित्य उद्भव और विकास, आख्यान साहित्य उद्भव और विकास।

इकाई V - पूर्वमेघ (कालिदास), 1–15 श्लोक, सामान्य परिचय
श्रीमद्भगवद गीता – (वेद व्यास) प्रथम अध्याय अथवा अष्टादश अध्याय, सामान्य परिचय ।